केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल में कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र का उद्घाटन

आज केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान करनाल में काछवा रोड़ पर माननीय डा. त्रिलोचन माहपात्रा (सचिव डेयर एवं महानिदेशक, भा.कृ.अनु.प., नई दिल्ली) द्वारा कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र का उद्घाटन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य लवणग्रस्त मृदाओं में टिकाऊ कृषि उत्पादन हेतु नवीनतम जानकारियाँ किसानों से साझा करना तथा उनकी कृषि संबंधित समस्याओं का निवारण करना है। इस सूचना केन्द्र में एक बीज विक्रय केन्द्र भी खोला गया है जहां पर किसानों को लवण सहनशील गेहूँ, धान, चना व सरसों के प्रमाणित बीज भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। डा. माहपात्रा ने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे अपनी शोध क्षमता को बढ़ाएं और नई–नई प्रौद्योगिकियों का विकास करें जिससे खेती में लागत कम आए और उपज में बढ़ोत्तरी हो। इसके पश्चात उन्होंने संस्थान के कर्मचारियों के साथ वार्तालाप किया और उनकी समस्याओं को सुनकर मौके पर ही समाधान किया। कार्यवाहक निदेशक डा. पी.आर. भटनागर जी ने संस्थान की उपलब्धियाँ एवं आगामी योजनाओं के बारे में अवगत कराया। डा. एस. के. चौधरी, उप–महानिदेशक (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन) ने जलवायु परिवर्तन के सन्दर्भ में बढ़ती हुई लवणता समस्या एवं संस्थान की आगामी कार्य–योजनाओं के बारे में जानकारी साझा की। इस अवसर पर डा. बी. एन. त्रिपाठी, उप–महानिदेशक (पशु विज्ञान), डा. एम. एस. चौहान, डा. जी.पी. सिंह, डा. आर. के. यादव, डा. डी. एस. बुन्देला, डा. एम. जे. कलेढोणकर, डा. नीरज कुलश्रेष्ठ, डा. सुभाशीष मंडल एवं श्री अभिषेक राणा मौजूद रहे।